

## ॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

### ॥ ध्यानम् ॥

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता  
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।  
या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा पूजिता  
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥

### ॥ स्तोत्रम् ॥

सरस्वती महाभद्रा महामाया वरप्रदा।  
श्रीप्रदा पद्मनिलया पद्माक्षी पद्मवक्त्रका ॥ १ ॥  
शिवानुजा पुस्तकभृत् ज्ञानमुद्रा रमा परा।  
कामरूपा महाविद्या महापातकनाशिनी ॥ २ ॥  
महाश्रया मालिनी च महाभोगा महाभुजा।  
महाभागा महोत्साहा दिव्याङ्गा सुरवन्दिता ॥ ३ ॥  
महाकाली महापाशा महाकारा महाङ्कुशा।  
पीता च विमला विश्वा विद्युन्माला च वैष्णवी ॥ ४ ॥

चन्द्रिका चन्द्रवदना चन्द्रलेखविभूषिता।

सावित्री सुरसा देवी दिव्यालङ्कारभूषिता ॥ ५ ॥

वाग्देवी वसुदा तीव्रा महाभद्रा महाबला।

भोगदा भारती भामा गोविन्दा गोमती शिवा ॥ ६ ॥

जटिला विन्ध्यवासा च विन्ध्याचलविराजिता।

चण्डिका वैष्णवी ब्राह्मी ब्रह्मज्ञानैकसाधना ॥ ७ ॥

सौदामिनी सुधामूर्तिः सुभद्रा सुरपूजिता।

सुवासिनी सुनासा च विनिद्रा पद्मलोचना ॥ ८ ॥

विद्यारूपा विशालाक्षी ब्रह्मजाया महाफला।

त्रयीमूर्ती त्रिकालज्ञा त्रिगुणा शास्त्ररूपिणी ॥ ९ ॥

शुम्भासुरप्रमथिनी शुभदा च स्वरात्मिका।

रक्तबीजनिहन्त्री च चामुण्डा चाम्बिका तथा ॥ १० ॥

मुण्डकायप्रहरणा धूम्रलोचनमर्दना।

सर्वदेवस्तुता सौम्या सुरासुरनमस्कृता ॥ ११ ॥

कालरात्रिः कलाधारा रूपसौभाग्यदायिनी।

वाग्देवी च वरारोहा वाराही वारिजासना ॥ १२ ॥

चित्राम्बरा चित्रगन्धा चित्रमाल्यविभूषिता।  
 कान्ता कामप्रदा वन्द्या विद्याधरसुपूजिता ॥ १३ ॥  
 श्वेतानना नीलभुजा चतुर्वर्गफलप्रदा।  
 चतुराननसाम्राज्या रक्तमध्या निरञ्जना ॥ १४ ॥  
 हंसासना नीलजङ्घा ब्रह्मविष्णुशिवात्मिका।  
 एवं सरस्वतीदेव्या नाम्नामष्टोत्तरं शतम् ॥ १५ ॥  
 ॥ इति श्री सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

[http://stotrasamhita.net/wiki/Saraswati\\_Ashtottara\\_Shatanama\\_Stotram](http://stotrasamhita.net/wiki/Saraswati_Ashtottara_Shatanama_Stotram)

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>